Bhannaat.com

हनुमान जी को प्रसन्न करने का मंत्र हनुमान जी को प्रकट करने का मंत्र

हनुमान जी Hanuman ji को कलयुग में जीवित देवता माना जाता है और जो व्यक्ति हनुमान जी की इस कलयुग में पूजा करता है उसके सभी काम बनते हैं और उसकी सभी मनोकामना पूरी होती है।

हनुमान जी की शक्ति का अंदाजा आप इसी बात से लगा सकते हैं कि हनुमान जी के अंदर 100 हाथियों से भी ज्यादा हाथी का बल था और वह अपने एक हाथ पर ही पर्वत भी उठा सकते थे, हमारे भारत में हनुमान जी Hanuman ji के ऐसे कई मंदिर है जहाँ पर स्वयं हनुमान जी विराजमान होते हैं और भक्तों के कष्ट को हरने का काम करते हैं जिसमें से हमारे भारत में सबसे प्रमुख मंदिर है मेहंदीपुर बालाजी।

जहाँ पर जाने मात्र से ही आदमी के ऊपर से सभी भूत-प्रेत की बाधा अपने आप दूर हो जाती है और उसका मनचाहा वरदान भी उसे मिल जाता है , हनुमान जी की इन्हीं शक्तियों के कारण कई लोग हनुमान जी की भक्ति करने का निश्चय करते हैं और कई लोग हनुमान जी की निस्वार्थ भाव से भक्ति करते हैं और जब हनुमान जी उन पर प्रसन्न हो जाते हैं तो वह उनका जीवन खुशियों से भर देते हैं।

@Bhannaat.com

इंटरनेट internet पर बहुत से लोग यह सर्च करते रहते हैं कि हनुमान जी की कृपा पाने का मंत्र क्या है या फिर हनुमान जी को बुलाने का मंत्र क्या है , अगर आप भी वैसे व्यक्तियों में से हैं तो आप बिल्कुल सही जगह पर आए हैं क्योंकि आज के इस आर्टिकल में हम आपको यह बताने वाले हैं कि हनुमान जी को बुलाने का मंत्र क्या है या फिर हनुमान जी Hanuman ji की कृपा प्राप्त करने का मंत्र mantra क्या है?

इस लेख के मुख्य बिन्दु...

1. हनुमान जी को बुलाने का पहला मंत्र क्या है ? First mantra to call Hanuman ji
2. हनुमान जी को बुलाने और खुस करने का दूसरा मंत्र क्या है ? : Second mantra to call Hanuman ji
3. हनुमान जी को प्रकट करने का तीसरा मंत्र क्या है ? Third Mantra to Call Hanuman ji
4. हनुमान जी को बुलाने का चौथा मंत्र : Fourth mantra to call Hanumanji
5. हनुमान जी को बुलाने का पांचवा मंत्र : Fifth mantra to call Hanuman ji

हनुमान जी का जन्म भगवान राम की सहायता करने के लिए हुआ था और आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान हनुमान को भगवान भोलेनाथ का अवतार भी कहा जाता है।

©Bhannaat.com

हनुमान जी की माता का नाम जानकी था और हनुमान जी के किस्से हमें रामायण में आसानी से देखने को मिल जाते हैं , कुछ पंडितों के अनुसार हनुमान जी का जन्म आज से 58,112 साल पहले तथा लोक मान्यता के अनुसार त्रेतायुग के अंतिम चरण में चैत्र पूर्णिमा के मंगलवार को हनुमान जी का जन्म हुआ था और इनके जन्म स्थान के बारे में लोग बताते हैं कि इनका जन्म वर्तमान के झारखंड राज्य के गुमला जिले के अंजनगांव में हुआ था।

हनुमान जी को बजरंगबली के नाम से भी जाना और पहचाना जाता है , इसके अलावा भी इनके कई नाम है जैसे संकट मोचन, पवन पुत्र इत्यादि। हनुमान जी का शरीर बहुत ही मजबूत था और पवन देवता के पालने के कारण इन्हें पवन पुत्र भी कहा जाता है , वर्तमान के समय में पूरी दुनिया में हनुमान जी के करोड़ों भक्त हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि भगवान हनुमानजी को अमरता का वरदान प्राप्त है और यह आज के समय में हमारे भारत देश के हिमालय के जंगलों के अंदर रहते हैं, ऐसी मान्यता है।

समय-समय पर हनुमान जी अपने भक्तों की सहायता भी करते रहते हैं , हनुमानजी के मंत्रों के अंदर इतनी शक्ति है कि यह स्वयं हनुमान जी को आपके सामने प्रकट कर सकती है , हालांकि हर बार मंत्र जपने की जरूरी नहीं होता है , कुछ लोग तो यहाँ तक दावा करते हैं कि वह हनुमान जी को देख चुके हैं।

Bhannaat.com

हनुमान जी को बुलाने का पहला मंत्र क्या है? First mantra to call Hanuman ji

आपकी जानकारी के लिए बता दें कि हनुमान जी को बुलाने के कई मंत्र हैं, जिसमें से कुछ मंत्रों के बारे में हम आपको जानकारी देने वाले हैं, नीचे हम आपको हनुमान जी को बुलाने के पहले मंत्र के बारे में बता रहे हैं। इस मंत्र का श्रद्धा पूर्वक जाप करने से हनुमान जी आपके सामने प्रकट हो सकते हैं, यह बहुत ही पुराना मंत्र है परंतु इस मंत्र का जाप आपको किसी एकांत जगह पर बैठकर ही करना है ताकि आपका ध्यान ना भटके।

कालतंतु कारेचरन्ति एनर मरिष्णु, निर्मुक्तेर कालेत्वम अमरिष्णु।।

यह मंत्र पिदुरु पर्वत के आसपास रहने वाले आदिवासी लोगों को हनुमान जी ने दिया था और ऐसा कहा जाता है कि जब राम जी ने समाधि ले ली थी तो हनुमान जी आकर जंगल में रहने लगे थे जहाँ पर आदिवासियों ने उनकी सेवा की और उनकी सेवा से प्रसन्न होकर हनुमान जी ने यह मंत्र आदिवासियों को दिया था, अगर आप श्रद्धा पूर्वक इस मंत्र का जाप करते हैं तो आपको निश्चित ही फायदा होगा।

Bhannaat.com

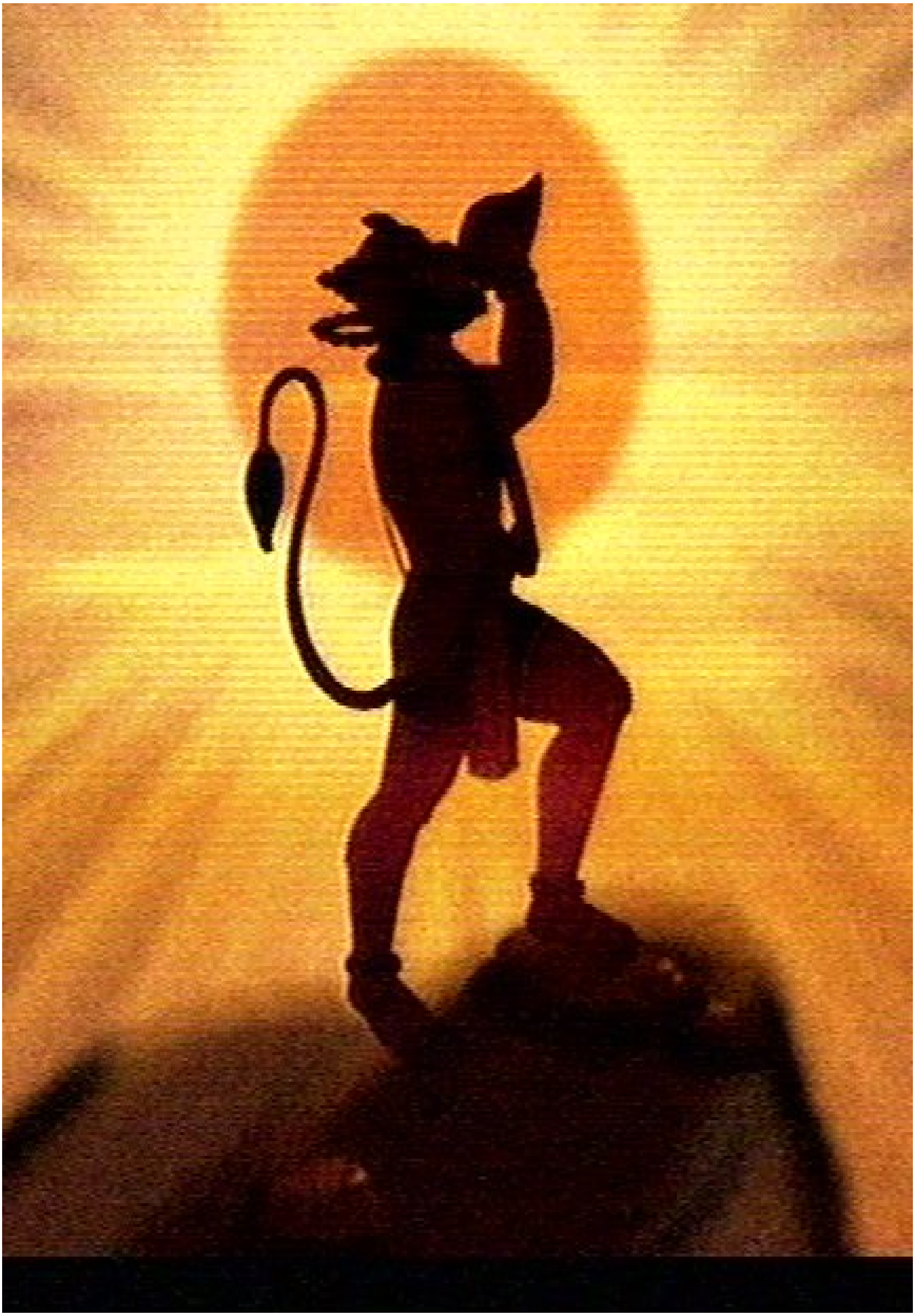

हनुमान जी को बुलाने और खुस करने का दूसरा मंत्र क्या है? : Second mantra to call Hanuman ji

अब हम आप को हनुमान जी को बुलाने का दूसरा मंत्र बताने वाले हैं , इस प्रयोग को करने के लिए आपको सबसे पहले किसी ऐसी जगह पर स्थित कुएं का चयन करना होगा जो एकांत जगह में हो। आप चाहे तो खंडहर कुअे का इस्तेमाल कर सकते हैं, वहाँ पर जाकर आपको कुएं के पास में ही रेत के अंदर लाल सिंदूर मिलाकर एक हनुमान जी की मूर्ति बनानी होगी।

उसके बाद आपको मंगलवार के दिन उसके ऊपर लाल चोला चढ़ाना होगा और वहीं पर बैठकर आपको नीचे दिए गए मंत्रों का जाप करना होगा , आपको मंगलवार से चालू करके रोजाना एक माला लगातार 21 दिन तक जप करनी है , 21 दिन पूरा होने के बाद हनुमान जी आपको दर्शन देंगे और तब आप उनसे तीन वचन मांग सकते हैं।

ओम नमो देव लोक दिविख्या देवी। जहाँ बसे इस्माईल योगी।
छप्पन भैरों। हनुमन्त वीर।
भूत प्रेत दैत्य को मार भगावे। पराई माया ल्यावे।
लाड्डू पेड़ा बर्फी सेब सिंघाड़ा पाक बताशा।
मिश्री घेवर बालूसाई लोंग डोडा इलायची।
दाना तेल देवी काली के ऊपर। हनुमन्त गाजै।
एती वस्तु में चाहि लाव। न लावे तो तैंतीस कोटि देवता लावें।

मिरची जावित्री जायफल हरड़े जंगी – हरड़े बादाम छुहारा मुफरे।
रामवीर तो बतावें बस्ती।
लक्ष्मण वीर पकडावे हाथ। भूत प्रेत के चलावें हाथ।
हनुमन्त वीर को सब कोऊ गाव। सौ कोसां का बस्ता लावे।
न लावे तो एक लाख अस्सी हजार वीर। पैगम्बर लावे।
शब्द साँचा। फुरो मंत्र ईश्वरो वाचा।

हनुमान जी को प्रकट करने का तीसरा मंत्र क्या है ? Third Mantra to Call Hanuman ji

अब हम आपको हनुमान जी को बुलाने का तीसरा मंत्र बताने वाले हैं , आपको यह प्रयोग मंगलवार या फिर शनिवार के दिन करना होगा। इसके लिए सबसे पहले आपको हनुमान जी को लंगोट चोला जनेऊ खड़ाऊ लड्डू तथा झंडा चढ़ाना होगा और उनकी पूजा करनी होगी और आपको उस दिन व्रत रखना होगा जिस दिन आप यह काम करेंगे।

इसके बाद आपको नीचे दिए गए मंत्र कि 10 माला रोजाना 3 महीने तक जप करनी होगी और हनुमान जी को गुड़ और चने का प्रसाद भी पढ़ाना होगा , ऐसा करने से निश्चित ही हनुमान जी आपको दर्शन देंगे और आपकी मनोकामना पूरी करेंगे।

Bhannaat.com

ओम हनुमान पहलवान वर्ष बारहा का जवान।
हाथ में लडडू मुख में पान। आओ आओ बाबा हनुमान।
न आओ तो दुहाई महादेव गौरा पार्वती की।

शब्द साँचा। पिंड काँचा। फुरो मंत्र ईश्वरो वाचा।

हनुमान जी को बुलाने का चौथा मंत्र : Fourth mantra to call Hanumanji

आप इस मंत्र का इस्तेमाल करके भी हनुमान जी को बुला सकते हैं और यह मंत्र जाप करने में भी काफी आसान है , इसीलिए आपको इसका जाप करने में कोई भी कठिनाई नहीं होगी।

ॐ हं हनुमते रुद्रात्मकाय हुं फट्

इस मंत्र का जाप करने के लिए आपको किसी भी शुक्ल पक्ष के पहले मंगलवार को इस मंत्र का जाप करना चालू करना है और आपको लाल आसन के ऊपर बैठकर इसका जाप करना है और हनुमान जी के सामने देसी घी का दीपक जलाना है, इस मंत्र का जाप आपको मूंगे की माला से रोजाना 11 माला लगातार 40 दिनों तक करना है।! यह पोस्ट आप OSir.in वेबसाइट पर पढ़ रहे है !

©Bhannaat.com

हनुमान जी को बुलाने का पांचवा मंत्र : Fifth mantra to call Hanuman ji

आपको इस मंत्र का इस्तेमाल तभी करना चाहिए जब आप बहुत विकट समस्या में फंस गए हो , जैसे अगर आप किसी जंगल में जंगली जानवरों के बीच फंस गए हैं तो आप इस मंत्र का इस्तेमाल कर सकते हैं।

आपको इस मंत्र को बस एक बार ही बोलना होगा , ऐसा करने के बाद स्वयं हनुमान जी आपकी रक्षा करने के लिए प्रकट हो सकते हैं।

ओम हन हन पच पच ब्लूम वज वज हनुमत

प्रत्यक्षम फट स्वाहा

इस मंत्र का जाप करने के लिए आपको मंगलवार के दिन रक्त चंदन की माला से हनुमान जी के मंदिर में जाकर इस मंत्र का जाप एक निश्चित मात्रा में करना होगा उसके बाद आप को हनुमान जी को प्रणाम करना होगा और बिना किसी से कुछ बोले आपको अपने घर आ जाना होगा।

Bhannaat.com